SPECIAL INVITEES

(1) Deputy Chairman, Planning Commission.
(2) Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shri B. R. Bhagat)
(3) Shri R. Venkataraman, Member, Planning Commission.
(4) Shri B. Venkatappiah, Member, Planning Commission.
(5) Shri Pitambar Pant, Member, Planning Commission.
(6) Dr. B. D. Nag Choudhri, Member, Planning Commission.

भारतीय चलचित्रों का स्तर

1915. **श्री रामावतार शर्मा :**
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
डा० सूर्यप्रकाश पुरी :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय चलचित्रों के स्तर को ऊंचा उठाने के लिये कोई नये निर्णय किये गये हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि विदेशी चलचित्रों के दृश्यों, गीतों, और भावनाओं की नकल भारतीय चलचित्रों में अब भी बहुत की जा रही है; और

(ग) यदि हां, तो इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये क्या उपाय किये गये हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) भारत में फिल्मों को प्रदर्शित करने के लिये प्रमाणिकृत करने की वर्तमान कार्यप्रणाली तथा इनसे सम्बन्धित मामलों की जांच करने के लिये न्यायाधीश जी० डी० खोसला की अध्यक्षता में फिल्म्स सेंसरशिप पर एक जांच समिति नियुक्त की है। समिति के विचारार्थ विषयों में से एक यह भी है कि वर्तमान नियामक कार्यविधि के अन्तर्गत भारत के फिल्मों को कलात्मक विषयों और स्वस्थ सार्वजनिक अपील से संबंधित स्थिति का अध्ययन करे और वर्तमान सेंसरशिप कानून कार्यविधि में सुधार करने के उपायों की सिफारिश भी करे ।

(ख) जी हां । परन्तु नकल के कार्य में कुछ परिवर्तन हो जाता है ।

(ग) नकल करना या किसी चीज को ग्रहण करना हमेशा हानिकारक नहीं होता बल्कि अक्सर लाभदायक सिद्ध होता है ।

विदेशी पद्धति की केवल नकल ही करने के हानिकारक पक्षों को दूर करने और हमारे राष्ट्रीय मूल्यों के अनुकूल अच्छे स्तर की फिल्मों के निर्माण में प्रोत्साहन देने के दृष्टिकोण से सरकार ने फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार देने की योजना चालू की है ।

पाकिस्तान द्वारा भारत विरोधी प्रचार

1916. **श्री रामावतार शर्मा :**
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री प्रकाश वीर शास्त्री :
डा० सूर्यप्रकाश पुरी :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान, भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा क्षेत्रों में रेडियो और समाचार पत्रों द्वारा भारत विरोधी भावनाओं को भड़का रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध पाकिस्तान को कोई पत्र भेजा गया है; और

(ग) यदि हां, तो इस पर पाकिस्तान सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रधान मंत्री, अणुशक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी) : (क) पाकिस्तान सरकार के नियंत्रण में जो रेडियो स्टेशन और पाकिस्तानी अखबार हैं, उनका हर मोर्चे पर भारत-विरोधी

प्रचार आंदोलन जारी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तानी रेडियो प्रसारणों में भारत-विरोधी भावनाएं भड़काने पर ज़ोर लगाया जा रहा है और ये पूर्व में नागाओं को तथा मीज़ो लोगों को संकेत करके तथा पश्चिम में अल्प संख्यक समुदायों को संकेत करके किये जाते हैं।

(ख) और (ग). भारत सरकार ने इस तथ्य की ओर बारबार पाकिस्तान सरकार का ध्यान दिलाया है कि उनका भारत विरोधी प्रचार सिर्फ ताशकंद घोषणा के अनुच्छेद–4 में पाकिस्तान द्वारा स्वीकृत दायित्वों के ही विपरीत नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य भारत/पाकिस्तान संबंधों को सामान्य करने की सम्भावनाओं को जानबूझकर और कम करना भी है। पाकिस्तान सरकार के साथ इस मामले को और आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

नागाओं का चीन में प्रशिक्षण

1917. **श्री रामावतार शर्मा :**
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री सीताराम केसरी :
श्री विश्वनाथ राय :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ नागा विद्रोही अब भी चीन में प्रशिक्षण ले रहे हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि नागा विद्रोहियों का तथाकथित सेनाध्यक्ष, जनरल मोबू अब भी वहां पर ही है;

(ग) क्या यह भी सच है कि चीन में बर्मा से लगती हुई अपनी सीमा पर एक शस्त्रास्त्र डिपो बनाया है ताकि इन नागाओं को वहां से समय पर सहायता दी जा सके; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार उन सभी मामलों के प्रति पूर्णतया जागरूक है ?

प्रधान मंत्री, अणुशक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी) : (क) जी, हां।

(ख) इसी सदन में ठीक एक सप्ताह पूर्व अतारांकित प्रश्न सं० 624 के खंड (ग) के उत्तर की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

(ग) सरकार को इस मामले में कोई जानकारी नहीं है।

(घ) बर्मा के साथ लगने वाले अपने अंतर्राष्ट्रीय सीमांत पर सुरक्षा-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिये उपयुक्त क़दम उठाये गये हैं।

Non-signing of treaty on nuclear non-proliferation by India

1918. SHRI SHRI CHAND GOYAL: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the reaction on Pakistan and other major powers of the World on account of the non-signing by India of the non-proliferation treaty; and

(b) whether that reaction has been conveyed specifically to our country by any country?

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI): (a) The Pakistan Foreign Minister is reported to have said that Pakistan's attitude to the Treaty would depend upon India's decision. The major powers of the world have taken note of India's position, even though they may not agree with it.

(b) No, Sir.